इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

रवि तेजस साधना

सूर्यग्रहण - 12 अगस्त

ग्रहण काल में सूर्य तथा पृथ्वी का सम्बन्ध विशेष तीव्र हो जाता है। ऐसे श्रेष्ठतम अवसर पर साधना मंत्र जप से प्रत्येक साधक को लाभ उठाना ही चाहिये। हर व्यक्ति की मूलभूत इच्छाएं होती हैं कि वह आकर्षक, सम्मोहन युक्त, तेजस्वी व्यक्तित्व, वाक्चातुर्य एवं कुशाग्र बुद्धि से युक्त बने। साथ ही उसमें शत्रु पर पूर्ण विजय तथा स्वास्थ्य उल्लासित जीवन प्राप्त करने की क्षमता भी हो। ये सब शक्तियां सूर्य में ही निहित है। अतः साधक को यह विशिष्ट साधना अवश्य ही सम्पन्न करनी चाहिये।

पाश विमोचन साधना

नाग पंचमी - 17 अगस्त

मनुष्य जीवन में अनेक तरह के पाशों के अधीन होता है, जिनकी निवृत्ति अनिवार्य है, तब ही जीवन से दुःख, कष्ट, संताप आदि अनेक प्रकार की विषमताओं व दोषों का पूर्ण शमन हो पाता है और साधक सभी सुमंगलमय स्थितियों से युक्त होता है। विष्णु कार्य हैं, ब्रह्मा क्रिया और महेश्वर कारण हैं, भगवान रूद्र ने ही सांसारिक मानव के कल्याण हेतु ये तीन रूप धारण किये। इस साधना को सम्पन्न करने से साधक के जीवन में सुख-शांति, समृद्धि, ऐश्वर्य, पद, प्रतिष्ठा, संतान सुख, आरोग्यता, दीर्घायु जीवन व शिव-गौरी परिवारमय स्थितियां स्वतः ही व्याप्त होने लगती हैं।

चन्द्रग्रहण सम्मोहन साधना

चन्द्रग्रहण - 28 अगस्त

चन्द्र ग्रहण का समय साधना सम्पन्न करने की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ मुहुर्त ही नहीं होता बल्कि सफल होने का निश्चित सोपान लेकर आता है। चन्द्रमा, मन, भावना, कल्पना शक्ति, ऐश्वर्य, संगीत, कला, सौन्दर्य, माधुर्य, चरित्र, यश, कीर्ति का ग्रह है, ऐसे ग्रह की साधना तो चन्द्र ग्रहण पर अवश्य ही करनी चाहिये। चन्द्र ग्रहण के समय वायुमंडल में एक विशेष प्रकार की शक्ति व्याप्त होती है, जो साधनात्मक दृष्टि से सफलतादायक होती है।

कामेश्वरी ललिता साधना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी - 04 सितम्बर

इस साधना को स्वयं राधा ने सम्पन्न किया था। जिसके फलस्वरुप वह निर्मोही कृष्ण भी उनकी ओर आकर्षित हो गये थे। यह साधना इतनी तीक्ष्ण और तुरंत प्रभाव डालने वाली है, कि यदि साध्य व्यक्ति की रक्षा स्वयं ब्रह्मा भी करें, तो भी वह मोहित होता ही है। इस साधना की विशेषता यह है, कि जहां इससे अन्य जन मोहित होते हैं, वहीं व्यक्ति स्वयं भी अत्यधिक सुन्दर एवं आकर्षक हो जाता है। वह देखने में कितना ही कुरूप क्यों न हो, इस साधना के बाद एक अनोखी वशीकरण शक्ति विकसित होती ही है, उसके अन्दर इतना आकर्षण उतर जाता है, कि लोग देखते ही उसकी ओर स्वतः ही खिंचते चले आते हैं।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।